POLITICAL SCIENCE Dep. Dr. HUSNA ARA
B.A.-2 (Sub.) Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. college

कार्यपालिका के प्रकार

दुनिया के विभिन्न देशों में कार्यपालिका के विभिन्न स्वरूप एवं प्रकार पाए जाते हैं। कार्यपालिका के विभिन्न प्रकारों को हम निम्नलिखित रूप में समझ सकते हैं—

① राजनीतिक और स्थायी कार्यपालिका :-

इसप्रकार की कार्यपालिका में जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि और प्रशिक्षित स्थायी प्रशासक मिलजुलकर काम करते हैं। इसमें से प्रथम को राजनीतिक कार्यकारी कहते हैं एवं द्वितीय को स्थायी कार्यकारी कहते हैं। राजनीतिक कार्यकारी का निर्वाचन एक निश्चित समयावधि के लिए एवं एक निश्चित कार्यकाल के लिए होता है जबकि स्थायी कार्यपालिका की नियुक्ति एक विशेष प्रक्रिया द्वारा सेवानिवृत्ति की अवधि तक के लिए स्थायी रूप से होती है। स्थायी कार्यपालिका तटस्थ होकर निर्वाचित कार्यपालिका के साथ मिलजुलकर कार्य करती है।

② नाममात्र की कार्यपालिका :-

नाममात्र की कार्यपालिका वह है

Scanned with CamScanner

जिसके हाथ में वास्तविक शक्तियाँ नहीं होती। वास्तविक शक्तियों का प्रयोग वास्तविक कार्यपालिका द्वारा किया जाता है। उदाहरणस्वरूप इंग्लैंड का सम्राट नाममात्र की कार्यपालिका है एवं अमेरिका का राष्ट्रपति वास्तविक कार्यपालिका है। इंग्लैंड में कार्यपालिका शक्ति का वास्तविक रूप में प्रयोग वहाँ के प्रधानमंत्री द्वारा किया जाता है।

③ एकल और बहुल कार्यपालिका –

कार्यपालिका की पूरी शक्ति अंतिम रूप से एक ही व्यक्ति में निहित हो तो उसे एकल कार्यपालिका कहते हैं। जब कार्यपालिका की पूरी शक्ति एक व्यक्ति में निहित न होकर कई लोगों में निहित होती है तो उसे बहुल कार्यपालिका कहते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति एकल कार्यपालिका का उदाहरण है एवं स्विस संघीय परिषद् बहुल कार्यपालिका का उदाहरण है।

④ वंशानुगत एवं निर्वाचित कार्यपालिका –

यदि राज्य का प्रमुख वंशानुगत ढंग से सत्ता प्राप्त करता है तो उसे वंशानुगत कार्यपालिका कहते हैं। यदि जनता द्वारा प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में कार्यपालिका के प्रमुख का निर्वाचन होता है तो उसे निर्वाचित कार्यपालिका कहते हैं।

Jhuma Ara

Scanned with CamScanner